जुड़िए हमसे... पर @risingindore.news 0731-4032200

Inside page 07

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

इंदौर, बुधवार, 13 नवंबर 2024

वर्ष -11, अंक-45

मूल्य 2 रूपए, पेज- 8

जो एमजी रोड पर हो नहीं सका वह अब कोठारी मार्केट पर होगा

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर नगर निगम ने एमजी रोड के लिए जो योजना बनाई थी उस पर तो जन सहमति नहीं बन पाने के कारण काम नहीं हो सका। अब कोठारी मार्केट पर इस योजना पर अमल किया जाएगा। इस फसाटा योजना के तहत जयपुर की तर्ज पर कोर्ट की बिल्डिंग के बाहरी क्षेत्र और रामप्याऊ से लेकर संभाग आयुक्त कार्यालय तक का नगर निगम का मार्केट संवारा जाएगा।

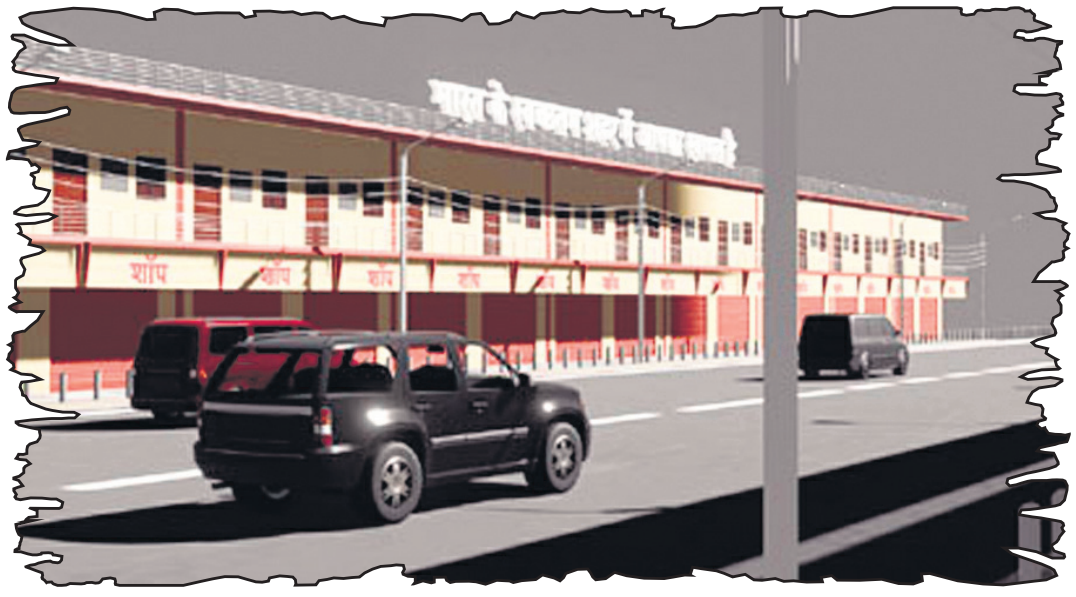

फसाटा योजना के तहत जयपुर की तर्ज पर कोर्ट की बिल्डिंग का बाहरी क्षेत्र और राम प्याऊ से लेकर संभाग आयुक्त कार्यालय के सामने तक का निगम मार्केट सवारेंगे

करीब डेढ़-दो वर्ष पहले नगर निगम जिला प्रशासन ने राजबाड़ा और कुछ अन्य क्षेत्रों में जयपुर पैटर्न पर बाजारों को संवारने का काम शुरू किया था। यह प्रयोग कुछ जगह ही हुए थे और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। जब नगर निगम के द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत एमजी रोड पर बड़ा गणपति चौराहा से लेकर कृष्णपुरा छत्री तक सड़क का नवनिर्माण और चौड़ा करने का काम किया गया था, उस समय पर यह तय किया गया था कि इस सड़क पर भी फसाटा योजना लागू की जाएगी। इस योजना के तहत सभी दुकानों के बोर्ड एक जैसे होंगे। सभी पर एक ही तरह का एक ही रंग का पेंट किया जाएगा। ऐसी योजना निगम के द्वारा 56 दुकान पर लागू की गई थी। इसके बाद जब एमजी रोड पर इस योजना को लागू करने की कोशिश की गई तो लोगों का समर्थन नहीं मिल सका। निगम के अधिकारियों के द्वारा इस संबंध में लोगों को एकजुट करने और योजना को क्रियान्वित करने की कोशिश भी की गई लेकिन नतीजा नहीं निकल सका।

अब निगम फिर से इसके तहत रामप्याऊ से लेकर जिला कोर्ट तक एमजी रोड के हिस्से को संवारने की तैयारी में है। इनमें से अधिकांश स्थानों पर निगम के मार्केट और बिल्डिंग हैं, जिनकी मरम्मत करन के साथ-साथ एक ही पैटर्न पर रंगरोगन किया जाएगा।

नगर निगम ने पिछले दिनों कई क्षेत्रों में सड़कों के सुधार के लिए अलग-अलग प्रयोग किए थे और इनमें से काफी प्रयोग सफल भी रहे हैं। राजबाड़ा चौक की सभी दुकानें एक ही रंग और पैटर्न पर की गई थीं, जिसके चलते बाजार की दुकानें एक जैसी नजर आ रही थीं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मुताबिक अब एमजी रोड के कई हिस्सों पर इसी योजना के तहत काम शुरू कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि रामप्याऊ से लेकर जिला कोर्ट तक के हिस्से संवारने के साथ-साथ उन्हें एक जैसे रंगों में सजाया-संवारा जाएगा। यह पैटर्न अब तक जयपुर और अन्य शहरों में रहा है और इससे क्षेत्र के मार्केट न केवल खूबसूरत नजर आते हैं, बल्कि उसकी अलग ही छटा रहती है। नगर निगम ने इसके लिए पहले दौर में वहां अभिभाषकों के चेंबर वाली बिल्डिंग का चयन किया है।

बिल्डिंग को सुधारना चुनौतीपूर्ण कार्य

नगर निगम के अधिकारी धीरेन्द्र बायस के मुताबिक रामप्याऊ से लेकर जिला कोर्ट तक के हिस्से में नगर निगम के कई मार्केट हैं और वहां की दुकानें निगम ने किराये पर दी हुई हैं। इन मार्केट को भी संवारा जाएगा। इसके साथ ही अभिभाषकों के चेंबर वाली बिल्डिंग का सुधार कार्य कुछ हिस्सों में कराने की तैयारी है। हालांकि इस बिल्डिंग में कार्य चुनौतीपूर्ण हैं, क्योंकि बिल्डिंग का काफी हिस्सा जर्जर है। यह बिल्डिंग वर्षों पुरानी है और इसका प्लास्टर कई बार सड़कों पर गिरता रहता है।

केबलें हटाने का काम शुरू होगा

नगर निगम विद्युत यांत्रिकी विभाग के अधिकारी अश्विन जनवदे के मुताबिक रामप्याऊ से जिला कोर्ट के बीच कई विद्युत पोलों पर लटक रही केबलें हटाने का काम विद्युत मंडल और निगम की टीमों द्वारा किया जाएगा। वहां जगह-जगह केबलों का जाल बिछा है।

राइजिंग इंदौर अब risingindore.com और MAGZTER.com पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध...

कचरा-कबाड़ा घर बना नया आरटीओ

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

नायता मुंडला में निर्मित किए गए नए आरटीओ कार्यालय के हाल भी हाल हैं। इस आरटीओ कार्यालय की व्यवस्थाओं को देखने के लिए कोई सिस्टम नहीं बनाया गया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि पूरा नया आरटीओ कार्यालय भवन कचरा घर और कबाड़ा घर के रूप में तब्दील हो गया है। इस कार्यालय में कहीं पर कपड़े सूखते हुए नजर आते हैं तो कहीं पर कचरे का ढेर लगा हुआ है। प्रदेश सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले विभाग में से एक विभाग के कार्यालय की हालत इतनी बुरी बनी हुई है। वैसे तो इंदौर नगर निगम के द्वारा कहीं भी कचरा होने पर जाकर चालान की कार्रवाई कर दी जाती है। इस नए आरटीओ कार्यालय पर अभी निगम के अधिकारियों की भी नजर नहीं गई है। आरटीओ कार्यालय के अधिकारियों को तो मानो इन सब चीजों से कोई लेना-देना ही नहीं है। सबसे कमाऊ विभाग के कमाई वाले पद पर बैठकर वे लोग भी आनंद से हैं। ऐसे में उनका ध्यान कार्यालय की व्यवस्था को बेहतर और बराबर करने में जरा सा भी नहीं है।

इंदौर के पूर्व प्रोफेसर का बड़ा ऐलान

महाराष्ट्र-झारखंड का रिजल्ट बताओ 1 करोड़ का इनाम पाओ

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से एक अनोखा मामला सामने आया है। जहां देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर और शिक्षाविद डॉ. पी एन मिश्रा ने महाराष्ट्र-झारखंड के विधानसभा चुनाव का रिजल्ट बताने वाले को एक करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है।

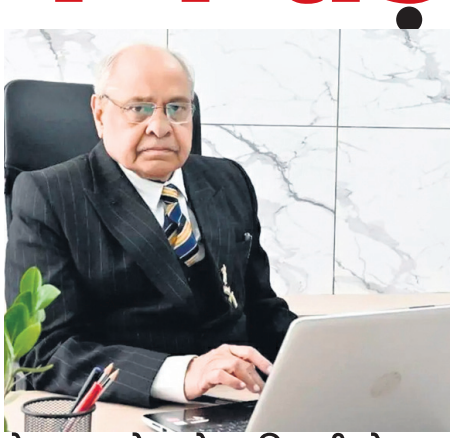

फेसबुक पोस्ट के जरिए की घोषणा

डॉ. पी एन मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि किसी भी मांत्रिक-तांत्रिक, दरबार लगाने वाले, पर्ची निकालने वाले, पोथी पढ़ने वाले या अपने को सिद्ध पुरुष/सिद्ध माता जी होने का दावा करने वाले को एक करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा, यदि वह यह बता दें कि जिन दो प्रदेशों -महाराष्ट्र एवं झारखंड में चुनाव होने वाले हैं, वहां विभिन्न दलों को कितनी -कितनी सीटें मिलेंगी। गणना प्रारंभ होने के पहले ही यह बताना होगा कि किस दल को कितनी सीट मिलेंगी।

कर्मों से बदलता है भविष्य

आगे डॉ. पी एन मिश्रा ने लिखा कि अगर कोई यह नहीं बता पा रहा है तो उसे अपने आपको सिद्ध पुरुष/देवी होने का, तांत्रिक होने का या पर्ची पढ़कर भविष्य बताने आदि का दावा नहीं करना चाहिए। अपने कर्मों और ईश्वरीय विधान पर विश्वास न करके लोग इन लोगों के पीछे घूमते हैं और पाखंड तथा अंधविश्वास का शिकार होकर अपना समय और धन नष्ट करते हैं। परेशान व्यक्ति इन लोगों के पास इस आशा से जाता है कि उनके द्वारा उसे कुछ सहायता मिल जाएगी या वे उसका भविष्य बदल देंगे। भविष्य यदि बदलता तो वह कर्मों के द्वारा बदलता है।

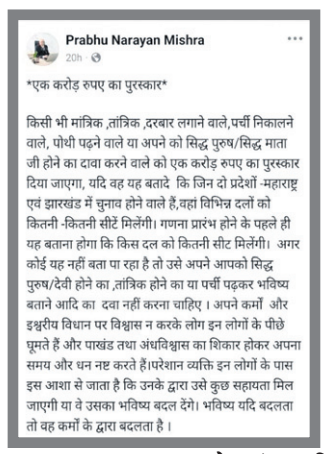
Prabhu Narayan Mishra
20h ·

एक करोड़ रुपए का पुरस्कार

किसी भी मांत्रिक ,तांत्रिक ,दरबार लगाने वाले,पर्ची निकालने वाले, पोथी पढ़ने वाले या अपने को सिद्ध पुरुष/सिद्ध माता जी होने का दावा करने वाले को एक करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा, यदि वह यह बतादे कि जिन दो प्रदेशों -महाराष्ट्र एवं झारखंड में चुनाव होने वाले हैं,वहां विभिन्न दलों को कितनी -कितनी सीटें मिलेंगी। गणना प्रारंभ होने के पहले ही यह बताना होगा कि किस दल को कितनी सीट मिलेंगी। अगर कोई यह नहीं बता पा रहा है तो उसे अपने आपको सिद्ध पुरुष/देवी होने का ,तांत्रिक होने का या पर्ची पढ़कर भविष्य बताने आदि का दवा नहीं करना चाहिए । अपने कर्मों और इश्वरीय विधान पर विश्वास न करके लोग इन लोगों के पीछे घूमते हैं और पाखंड तथा अंधविश्वास का शिकार होकर अपना समय और धन नष्ट करते हैं।परेशान व्यक्ति इन लोगों के पास इस आशा से जाता है कि उनके द्वारा उसे कुछ सहायता मिल जाएगी या वे उसका भविष्य बदल देंगे। भविष्य यदि बदलता तो वह कर्मों के द्वारा बदलता है ।

अनुमान गलत निकला तो बंद करना होगा पाखंड

यदि किसी में दम है तो वह जैसा कि मैंने कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणामों को मतगणना प्रारंभ होने के पहले सार्वजनिक मंच अथवा सोशल मीडिया पर यह बता दे कि किस पार्टी को कितनी सीट मिलने वाली है। पुरस्कार पाने के लिए उसे अपने उत्तर को फोन नंबर सहित भेजना होगा। उत्तर गलत होने पर उस व्यक्ति को क्षमा मांगनी होगी और यह कहना होगा कि अब वह इस प्रकार का ढोंग और पाखंड नहीं करेगा/करेगी।

मेट्रो के सभी सिस्टम की जांच के लिए अफसरों का दौरा दिसंबर में होगा

मेट्रो ट्रेन हो गई लेट

इंदौर में दिसंबर की बजाय अब जनवरी में शुरू होगा मेट्रो का सफर...

राइजिंग इन्दौर
■ विपीन नीमा

इंदौर। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की तैयारियों का हिसाब लगाया जाए तो भोपाल की तुलना में इंदौर के कार्यों की गति तेज चल रही है। जहां तक दोनों शहरों के कमर्शियल रन प्रारंभ करने का सवाल है तो तैयारियों से यहीं लग रहा है की इंदौर में कमर्शियल रन की शुरूआत दिसंबर के अंत या जनवरी के प्रथम सप्ताह में शुरू होने की संभावना ज्यादा है। जबकि भोपाल के लोगों को मेट्रो में सफर करने के लिए अभी कम से कम मई - जून 2025 तक इंतजार करना पड़ेगा। वैसे भी मेट्रो प्रोजेक्ट में अभी तक की स्थिति में इंदौर आगे ही रहा। तीन कोच वाली पहली मेट्रो रेल इंदौर आई। इसी प्रकार ट्रायल रन भी भोपाल से पहले इंदौर में शुरू हुआ था। नियम के मुताबिक कमर्शियल रन शुरू करने से पहले मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर (सीएमआरएस) का दौरा होगा। दौरे के बाद मेट्रो कम्पनी को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। उसके बाद कमर्शियल रन को हरी झंडी मिलेगी। एक अन्य जानकारी के मुताबिक लगभग 5.64 किलो मीटर वाला सुपर प्रायोरिटा कॉरिडोर लगभग तैयार हो चुका है। इस रुट पर पांच स्टेशन गांधीनगर, एससी - (सुपर कॉरिडोर) 6, 5, 4, 3 रहेगे। ये पांचों स्टेशन लगभग पूरी तरह से तैयार हो चुके है। मेट्रो ट्रेक पर लगाए गए सिंग्नल भी एक्टीवेट हो चुके है। मेट्रो के भीतर और बाहर बिजली सप्लाई का कार्य पूरा कर लिया गया है।

इंदौर मेट्रो के किराए की कीमतें और नियम अभी घोषित नहीं हुए

इंदौर मेट्रो के किराए की संरचना, कीमतें और नियम अभी घोषित नहीं किए गए हैं। कमर्शियल रन शुरू होने के करीब इसे अंतिम रूप दिया जाएगा एमपीएमआरसीएल अपने स्वचालित किराया संग्रह (एएफसी) सिस्टम के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग करने की योजना बना रहा है ताकि क्यूआर कोड और नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) फोन सिस्टम का उपयोग कर सकें। अधिकारियों का कहना है कि फेयर कलेक्शन की तकनीक को आने वाले समय में अपग्रेड किया जाएगा। यह तकनीक मेट्रो में रायडरशिप के अनुसार तय होगी। जब तक मेट्रो स्टेशनों पर फेयर कलेक्शन की तकनीक प्रारंभ नहीं होती तब तक स्टेशनों पर यात्रियों को टोकन सिस्टम से ही मेट्रो में एंट्री मिलेगी। फेयर कलेक्शन सिस्टम अपडेट होने के बाद सभी मेट्रो स्टेशनों पर इसी सिस्टम के तहत टिकट मिलेगा।

सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी होने से पहले इनकी होंगी जांच

» यात्री की सुविधाएं » सिग्नलिंग सिस्टम » मेट्रो ट्रेक की सुरक्षा » बिजली सप्लाई » टिकिट सिस्टम » स्टेशनों पर सुविधाएं » अन्य प्रणालियों का निरीक्षण

भोपाल से पहले इंदौर में शुरु होगा मेट्रो का सफर

आधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के मुताबिक इंदौर और भोपाल में मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू करने के लिए काफी तेजी से काम चल रहा है, लेकिन यह तय माना जा रहा है की भोपाल से पहले इंदौर के लोगों को मेट्रो में सफर करने का मौका मिलेगा। गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर-3 तक प्रायोरिटी कॉरिडोर के रूप में तैयार किया गया है। इस हिस्से में काम भी पूरा हो गया है। इसमें 5 स्टेशन है, जिनमें गांधीनगर, सुपर कॉरिडोर-6, 5, 4 और 3 शामिल है। ये सभी स्टेशन पूरी तरह से तैयार हो चुके है। वैसे तो इंदौर में मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू करने के लिए अधिकारियों ने दिसंबर का महीना तय किया है, लेकिन अब ताजा जानकारी मिली है की कमर्शियल रन की अवधि जनवरी 2025 कर दी गई है। जबकि भोपाल में मेट्रो का कमर्शियल संचालन जुलाई 2025 में शुरू होने की संभावना है।

जांच पड़ताल होने के बाद मिलेगा सुरक्षा सर्टिफिकेट

इंदौर और भोपाल में कमर्शियल रन प्रारंभ करने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। नियम के मुताबिक कमर्शियल रन शुरू करने से पहले मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर यानी सीएमआरएस का दौरा होगा। हालांकि अभी अधिकारियों के दौरे की तिथि तय नहीं हुई है दिसंबर महीने दौरा तय है। सीएमआरएस प्रायोरिटी कॉरिडोर पर कमर्शियल रन शुरू करने के लिए ट्रेनों के लिए सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी करने पर निर्णय लेने से पहले यात्री सुविधाओं, सिग्नलिंग, अन्य प्रणालियों और ट्रैक का निरीक्षण करेगा। बताया गया है की इंदौर में जनवरी 2025 में मेट्रो के संचालन की योजना है। ऐसे में यहां पर दिसंबर में सुरक्षा आयुक्त सेफ्टी का निरीक्षण करने आ सकते है। भोपाल में कमर्शियल रन जून में शुरू होने की संभावना है बताइए है।

पहला मेट्रो सेट

इंदौर में तीन कोच वाला पहला मेट्रो का सेट 31अगस्त 2023 को गुजरात से तैयार होकर इंदौर पहुंचा था। ताजा जानकारी के मुताबिक इंदौर में अभी तक 9 मेट्रो आ चुकी है। 25 मेट्रो ट्रेन आना है।

इसी प्रकार भोपाल में मेट्रो का पहला सेट 18 दिनों बाद 17 सितंबर 2023 को गुजरात से भोपाल पहुंचा था। भोपाल में 5 मेट्रो सेट पहुंच चुके है।

पहला ट्रायल रन

इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन 30 सितंबर, 2023 को हुआ था। इस ट्रायल रन में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मौजूद थे। इस दौरान ट्रेन 15-20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली थी।

भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन तीन दिन बाद 3 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर डिपो से हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया था। इस ट्रायल रन में मेट्रो सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक करीब साढ़े 4 किलोमीटर का रन किया था।

पहला कमर्शियल रन

» कमर्शियल रन की शुरुआत इंदौर में जनवरी माह से प्रारम्भ होंगी।
» भोपाल के लोगों को कमर्शियल रन के लिए जून तक वेट करना पड़ेगा।

ये सब तैयार है

» मेट्रो का सफर गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर स्टेशन तीन तक होगा।
» लगभग 6 किलोमीटर का रहेगा
» इसमें पांच स्टेशन रहेगे,
» ये स्टेशन होंगे - गांधीनगर, एससी स्टेशन नम्बर - 6 , 5, 4, 3
» सभी सिंग्नल हुए एक्टिवेट
» टिकट किराया अभी तय नहीं हुआ
» फेयर कलेक्शन की तकनीक को आने वाले समय में अपग्रेड किया जाएगा

संपादकीय...

पूरे राजवाड़ा को एक जैसा किए जाने की जरूरत...

इंदौर नगर निगम के द्वारा एमजी रोड पर कोठारी मार्केट क्षेत्र में कोर्ट के बाहर की बिल्डिंग को और सामने की दुकानों के निगम के मार्केट को एक जैसा करने की पहल की जा रही है। निश्चित तौर पर इस तरह की पहल से क्षेत्र में सुंदरता आएगी। इसके साथ ही यह क्षेत्र देखने वालों की नजर में एक अलग छाप छोड़ सकेगा। एक समय पर इंदौर नगर निगम के द्वारा इस तरह का प्रयोग राजवाड़ा क्षेत्र में भी किया गया था। उस समय पर राजवाड़ा क्षेत्र की छठ अलग ही नजर आती थी। समय के साथ में राजवाड़ा से यह प्रयोग समाप्त हो गया है। अब एक बार फिर राजवाड़ा पर यह प्रयोग किए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही एमजी रोड पर बड़ा गणपति चौराहा से लेकर पलासिया चौराहा तक के क्षेत्र में भी यह प्रयोग किया जाना चाहिए। इस प्रयोग के माध्यम से हम इंदौर को एक नई पहचान दे सकते हैं।

■ गौरव गुप्ता

मौसमी फल को अपने आहार में सेब, चुकंदर और गाजर जूस या एबीसी जूस के रूप में शामिल करने के 10 कारण

आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉक्टर आरती मेहरा ने बताया कि एबीसी जूस को विषहरण में सहायता करने, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। सेब, चुकंदर और गाजर का मिश्रण एबीसी जूस अपने उल्लेखनीय स्वास्थ्य लाभों के लिए लोकप्रिय हो गया है। डॉक्टर आरती मेहरा के अनुसार सेब, चुकंदर, गाजर का जूस अपने ताजा स्वाद और पोषण प्रोफाइल के लिए जाना जाने वाला यह मिश्रण अपने तीन शक्तिशाली अवयवों की शक्ति का उपयोग करता है। सेब प्राकृतिक मिठास में योगदान करते हैं और विटामिन और फाइबर से भरपूर होते हैं। चुकंदर आवश्यक नाइट्रेट और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं, जबकि गाजर बीटा-कैरोटीन और विटामिन ए की एक स्वस्थ खुराक प्रदान करते हैं। अपने स्वास्थ्य-वर्धक गुणों के लिए कई संस्कृतियों में मूल्यवान, एबीसी जूस को विषहरण में सहायता करने, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए मान्यता प्राप्त है।

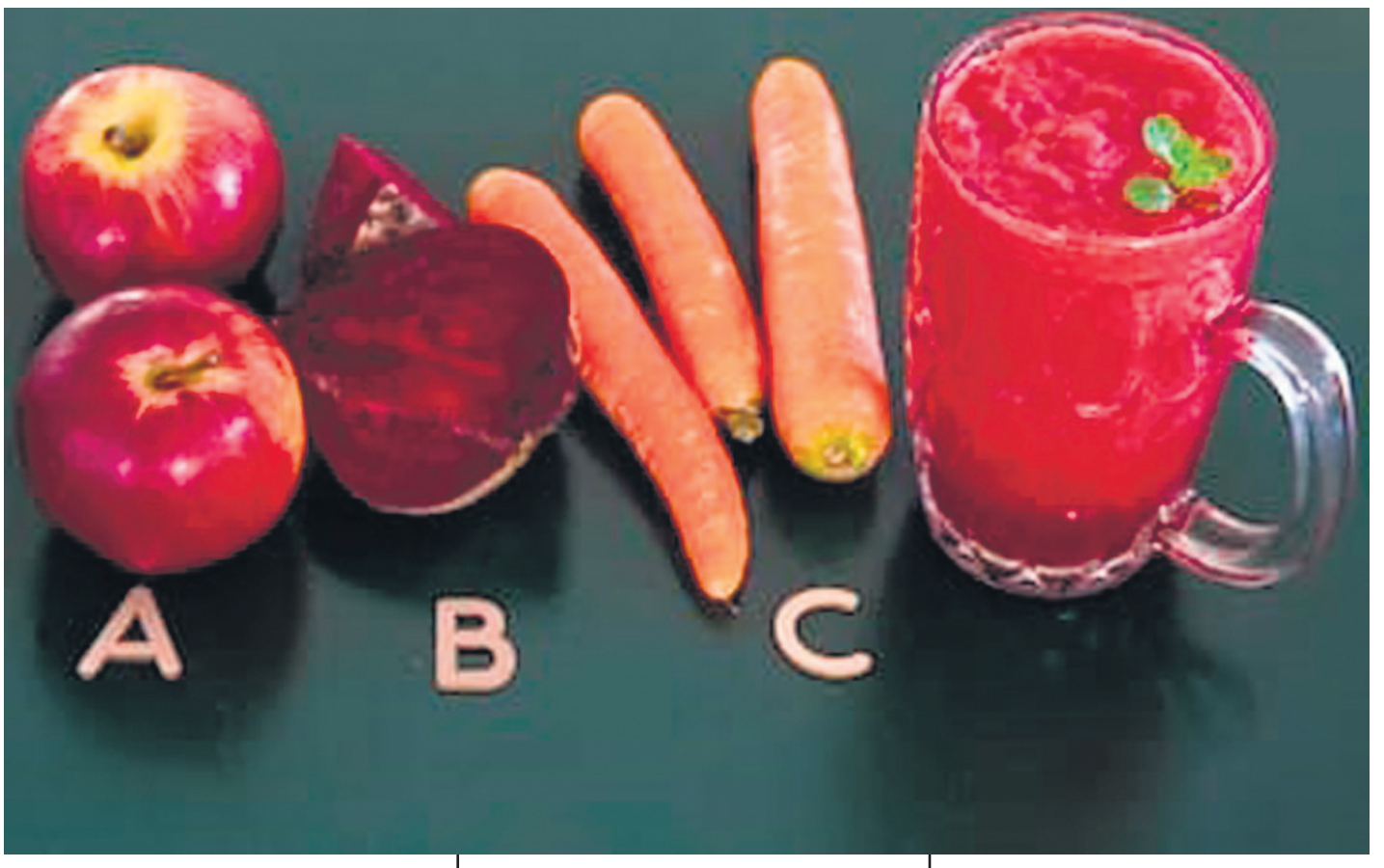

एबीसी जूस के फायदे

पोषक तत्वों से भरपूर

एबीसी जूस आवश्यक विटामिन और खनिजों से भरपूर है, जिसमें गाजर से विटामिन ए, सेब से विटामिन ए, सी और पोटेशियम, तथा चुकंदर से फोलेट शामिल हैं, जो समग्र स्वास्थ्य में योगदान करते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है

एबीसी जूस में फलों और सब्जियों का संयोजन एंटीऑक्सिडेंट और पोषक तत्व प्रदान करता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, जिससे शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करता है

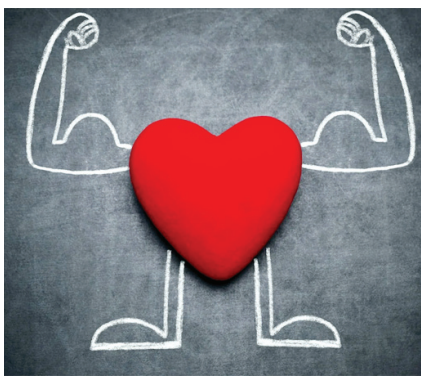

चुकंदर में नाइट्रेट होते हैं, जो रक्तचाप को कम करने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है।

पाचन क्रिया को बढ़ाता है

सेब में मौजूद फाइबर और चुकंदर के पाचन गुण स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं, नियमित मल त्याग और समग्र आंत स्वास्थ्य में सहायता करते हैं।

विषहरण, या डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ावा देता है

चुकंदर के प्राकृतिक गुणों और गाजर और सेब से प्राप्त नमी के कारण एबीसी जूस विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार

एबीसी जूस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, रंगत को निखारते हैं और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करते हैं।

ऊर्जा का स्तर बढ़ाता है

सेब में मौजूद प्राकृतिक शर्करा और गाजर व चुकंदर में मौजूद विटामिन त्वरित ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे यह दोपहर में ऊर्जा पाने के लिए एक बढ़िया विकल्प बन जाता है।

नेत्र स्वास्थ्य का समर्थन करता है

गाजर अपनी उच्च बीटा-कैरोटीन सामग्री के लिए जानी जाती है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है और दृष्टि को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

वजन घटाने में सहायक

कम कैलोरी और उच्च पोषक तत्वों से भरपूर एबीसी जूस वजन घटाने की योजना में एक संतोषजनक अतिरिक्त हो सकता है, जो भूख को रोकने और आपको भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है।

मस्तिष्क स्वास्थ्य में सुधार

एबीसी जूस के पोषण संबंधी प्रोफाइल का हमारे संज्ञानात्मक कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चुकंदर में नाइट्रेट होता है जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता है।

जबकि एबीसी जूस कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, अत्यधिक सेवन से कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। कुछ लोगों को गैस और सूजन जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि असामान्य, जूस के एक या अधिक अवयवों से एलर्जी हो सकती है। मधुमेह वाले लोगों को इस जूस को पीते समय अपने रक्त शर्करा के स्तर पर नजर रखनी चाहिए।

इसके अतिरिक्त, चुकंदर में मौजूद ऑक्सालेट का उच्च स्तर गुर्दे की पथरी बनने के जोखिम को बढ़ा सकता है यदि इसे बड़ी मात्रा में खाया जाए। जो लोग दवाएं ले रहे हैं, विशेष रूप से कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स, उन्हें चुकंदर के यौगिकों के साथ संभावित अंतःक्रियाओं के कारण अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श करना चाहिए। कुल मिलाकर, सेब, चुकंदर और गाजर से बना एबीसी जूस कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, लेकिन किसी भी नकारात्मक प्रभाव को रोकने के लिए इसे संयमित मात्रा में पीना महत्वपूर्ण है।

सेल एग्रीमेंट और पावर ऑफ अटॉर्नी से प्रॉपर्टी में नहीं मिलेगा मालिकाना हक- सुप्रीम कोर्ट

भारत में संपत्ति विवाद के मामले अक्सर सामने आते हैं, क्योंकि कई बार लोगों को प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेजों और उनके अधिकारों की पूरी जानकारी नहीं होती। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्रॉपर्टी का टाइटल ट्रांसफर करने के लिए केवल सेल एग्रीमेंट या पावर ऑफ अटॉर्नी को पर्याप्त नहीं माना जाएगा। इन दस्तावेजों से संपत्ति पर मालिकाना हक नहीं साबित होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रॉपर्टी के टाइटल ट्रांसफर को लेकर अहम निर्णय देते हुए कहा है कि किसी प्रॉपर्टी का टाइटल ट्रांसफर करने के लिए रजिस्टर्ड दस्तावेज होना जरूरी है। केवल सेल एग्रीमेंट या पावर ऑफ अटॉर्नी को टाइटल ट्रांसफर के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। रजिस्ट्रेशन एक्ट 1908 के अनुसार संपत्ति का असली मालिक वही माना जाएगा जिसके पास रजिस्टर्ड दस्तावेज होंगे।

यह फैसला उस केस के संदर्भ में आया है, जिसमें याचिकाकर्ता का दावा था कि वह संपत्ति का असली मालिक है क्योंकि उसे यह संपत्ति गिफ्ट डीड के जरिए उसके भाई ने दी थी। उसके अनुसार, प्रॉपर्टी पर उसका कब्जा भी है। वहीं, दूसरे पक्ष का कहना था कि उसके पास पावर ऑफ अटॉर्नी, शपथ पत्र और सेल एग्रीमेंट हैं, इसलिए संपत्ति पर उसका अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से स्पष्ट हो गया है कि प्रॉपर्टी का अधिकार पाने के लिए रजिस्टर्ड दस्तावेज का होना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट में दूसरे पक्ष के दावे का जवाब देते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि जिन दस्तावेजों के आधार पर प्रतिवादी ने प्रॉपर्टी का दावा किया है, वे मान्य नहीं हैं। उनका कहना था कि अचल संपत्ति का मालिकाना हक केवल रजिस्टर्ड दस्तावेजों के आधार पर ही साबित किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की इस दलील से सहमति जताई और स्पष्ट किया कि बिना रजिस्टर्ड दस्तावेजों के अचल संपत्ति का मालिकाना हक ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है।

इस निर्णय के साथ कोर्ट ने प्रतिवादी के दावे को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ता की अपील को स्वीकार कर लिया। कोर्ट के इस फैसले से यह साफ हो गया कि प्रॉपर्टी के स्वामित्व का दावा करने के लिए रजिस्टर्ड दस्तावेजों का होना आवश्यक है।

क्या होती है पॉवर ऑफ अटॉर्नी और एग्रीमेंट टू सेल

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

पॉवर ऑफअटार्नी एक वह कानूनी अधिकार होता है, जो किसी प्रॉपर्टी के मालिक द्वारा किसी दूसरे शख्स को दिया जाता है। पॉवर ऑफ अटॉर्नी मिलने से वह शख्स उस प्रॉपर्टी की खरीद या बिक्री से संबंधित फैसले कर सकता है, लेकिन यह प्रॉपर्टी का मालिकाना हक बिलकुल नहीं होता है। एग्रीमेंट-टू-सेल वह दस्तावेज है, जिसमें खरीदार और विक्रेता के बीच प्रॉपर्टी से जुड़ी सारी डिटेल शर्तें तय होती है। इसमें प्रॉपर्टी की कीमत और फुल पेमेंट के बारे में सारी जानकारी दर्ज होती है।

पॉवर ऑफ अटॉर्नी वह कानूनी अधिकार होता है जो संपत्ति के असली मालिक द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को दिया जाता है ताकि वह प्रॉपर्टी से जुड़े कुछ निर्णय ले सके। हालांकि, पॉवर ऑफअटॉर्नी प्राप्त करने वाले व्यक्ति को संपत्ति का मालिकाना हक नहीं मिलता है।

एग्रीमेंट टू सेल एक दस्तावेज है जिसमें प्रॉपर्टी के खरीदार और विक्रेता के बीच हुए समझौते की सभी शर्तें होती हैं, लेकिन यह भी संपत्ति के स्वामित्व को प्रमाणित नहीं करता।

इस निर्णय के बाद संपत्ति विवादों में यह स्पष्ट हो गया है कि किसी भी व्यक्ति को संपत्ति का असली मालिक तभी माना जाएगा जब उसके पास रजिस्टर्ड दस्तावेज होंगे। इससे संपत्ति के खरीदारों और विक्रेताओं को कानूनी विवादों से बचने में मदद मिलेगी.

किसी भी तरह की संपत्ति खरीदने के लिए उसकी रजिस्ट्री कराना जरूरी है। रजिस्ट्री और दाखिल-खारिज होने के बाद ही आप प्रॉपर्टी के मालिक बनते हैं। भारत में रजिस्ट्री के अलावा फुल पेमेंट एग्रीमेंट के जरिये भी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त खूब होती है, लेकिन, संपत्ति खरीदने का यह किसी भी लिहाज से सही नहीं है। केवल फुल पेमेंट रेंट एग्रीमेंट के जरिए कोई भी प्रॉपर्टी खरीदना आपके लिए बड़े घाटे का सौदा साबित हो सकता है। फुल पेमेंट एग्रीमेंट से आप किसी संपत्ति के मालिक नहीं बन सकते। ऐसे में आपको उस संपत्ति से हाथ भी धोना पड़ सकता है, जिसे आपने अपनी खून-पसीने की कमाई से खरीदा है।

क्या फुल पेमेंट एग्रीमेंट से करवा सकते हैं रजिस्ट्री?

फुल पेमेंट एग्रीमेंट के आधार पर रजिस्ट्री कराई जा सकती है। अगर खरीदार और विक्रेता के बीच कोई विवाद नहीं है तो रजिस्ट्री आसानी से हो जाती है। फुल पेमेंट एग्रीमेंट के बाद अगर संपत्ति बेचने वाला रजिस्ट्री कराने से मुकर जाए तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है और एग्रीमेंट को पूरा कराया जा सकता है, लेकिन, ऐसा करने के लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होता है।

फुल पेमेंट एग्रीमेंट निर्धारित स्टॉम्प पेपर पर होना चाहिए। इस पर खरीदार और विक्रेता दोनों के हस्ताक्षर तथा साथ ही गवाहों के भी हस्ताक्षर होने चाहिए। साथ ही संपत्ति की 2 लाख रुपये से ज्यादा की पेमेंट चेक या बैंक ट्रांसफर के माध्यम से होनी चाहिए। अगर फुल पेमेंट एग्रीमेंट उक्त शर्तों को पूरा करता है तो खरीदार का दावा मजबूत हो जाता है और विक्रेता को रजिस्ट्री कराने को कोर्ट के माध्यम से मजबूर किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के लंबित मामलों पर जताई नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट की दो अलग-अलग बेंचों ने शुक्रवार को जमानत अर्जियों पर सुनवाई के मामले में सख्ती दिखाते हुए हाईकोर्टों के रवैये की आलोचना की। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक जमानत याचिका के एक साल से अधिक समय तक लंबित रहने पर अफसोस जताते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट की आलोचना की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत के मामलों की सुनवाई में एक दिन की भी देरी आरोपी के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने बलात्कार के एक आरोपी की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ता ने अपने जमानत आवेदन पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में बार-बार स्थगन को चुनौती दी थी। उसकी आपत्ति थी कि अगस्त 2023 से आवेदन लंबित है। बेंच ने जमानत याचिकाओं के एक वर्ष से अधिक समय तक लंबित रहने की प्रथा पर असंतोष व्यक्त करते हुए हाईकोर्ट को इस मामले को सूचीबद्ध होने पर शीघ्रता से निपटारा करने का निर्देश दिया।

एक अन्य मामले में जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजे मसीह की बेंच ने हाईकोर्टों की ओर से जमानत देने से इनकार करने और आरोपियों को सांत्वना देने के लिए निचली अदालतों को मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए जाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। बेंच ने इस स्थिति को चौंकाने वाला बताया और कहा कि अदालतों की इस प्रवृत्ति के कारण आरोपी को लंबे समय तक हिरासत में रहना पड़ता है।

मोदी, योगी, शाह की सभा से अजीत पंवार की दूरी

भाजपा की हार्ड हिंदुत्व की लाइन से भी किया किनारा

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनसीपी के नेता अजित पवार इस चुनाव में भाजपा की महायुति के पार्टनर हैं। उन्होंने 53 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, मगर प्रचार में उन्होंने बीजेपी के स्टार प्रचारकों से दूरी बना रखी है। अजित पवार ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, गृहमंत्री अमित शाह के साथ पीएम नरेंद्र मोदी की रैली एनसीपी उम्मीदवारों के इलाके में कराने से इनकार कर दिया है। इस चुनाव में बीजेपी हार्ड हिंदुत्व के साथ तालमेल बनाना उनके लिए गले की हड्डी बन गई है। योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के बाद एनसीपी नेता ने उन्हें आउटसाइडर बताया। फिर इन टिप्पणियों से किनारा करते हुए बयान दिया कि हम महायुति के साथ चुनाव लड़ रहे हैं, मगर हमारी विचारधारा अलग है। महाराष्ट्र सांप्रदायिक सद्भाव के लिए प्रतिबद्ध है।

बीजेपी के स्टार प्रचारक पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ कुल मिलाकर महाराष्ट्र में 44 जनसभाओं को

संबोधित करने वाले हैं। धुले और नासिक से पीएम मोदी की सभा हो चुकी है। आदित्यनाथ भी लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। शिंदे की शिवसेना और बीजेपी के इलाकों में इन नेताओं का चुनावी कार्यक्रम है, मगर अजित पवार की एनसीपी ने इन नेताओं से दूरी बना रखी है। बारामती में फैमिली फाइट है, इसलिए महायुति के नेता प्रचार करने नहीं जाएंगे, अजित पवार की यह दलील तो समझ में आती है। अजित पवार ने एनसीपी के 53 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी नेताओं के प्रचार से दूर ही रखा है। अजित पवार के करीबी नेताओं के अनुसार, अजित पवार बीजेपी के कट्टर हिंदुत्व वाले प्रचार से दूर रहना चाहते हैं। एनसीपी का मुकाबला 41 सीटों पर सीधे शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) से है। इनमें से 20 सीटें शुगर बेल्ट में है, जो शरद पवार का गढ़ माना जाता है। अजित पवार नहीं चाहते हैं कि इन इलाकों में धार्मिक ध्रुवीकरण हो और सेक्युलर वोट एकतरफा हो जाएं। योगी आदित्यनाथ ने 'बटेंगे तो कटेंगे' और पीएम मोदी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' वाला बयान देकर चुनाव को हिंदुत्व की राह पर डाल दिया है। अगर ऐसा हुआ तो एनसीपी को नुकसान होगा। एक अन्य नेता ने बताया कि पिछले दिनों अमित शाह ने पुणे के कार्यक्रम में शरद पवार को 'भ्रष्टाचार का सरगना' बताया था, इसके बाद अजित पवार ने महायुति में शामिल होने के बाद भी बीजेपी के बड़े नेताओं से कन्नी काट ली।

शरद पवार के खिलाफ बीजेपी नेताओं के बयान से नुकसान

पार्टी सूत्रों का कहना है कि अजित पवार ने भले ही जुलाई 2023 में चाचा शरद पवार से बगावत कर ली, मगर वह जानते हैं कि सीनियर पवार के खिलाफ बोल बचन पार्टी को नुकसान पहुंचा सकता है। बीजेपी समेत महायुति के किसी नेता का बयान शरद पवार के प्रति सहानुभूति की लहर पैदा कर सकता है। 2019 के चुनाव में शरद पवार ने सतारा की एक सभा में भीगते हुए भाषण दिया, इसके बाद एनसीपी को 54 सीटों पर जीत मिली। बीजेपी के हाथ से बाजी फिसल गई थी। अजित पवार इस घटना को भूले नहीं हैं। बगावत करने वाले 41 विधायक भी शरद का सम्मान करते हैं। राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल ने भी कहा था कि हम शरद पवार का बहुत सम्मान करते हैं। निजी तौर पर मैं उनके साथ 35 साल से जुड़ा हुआ हूं। पिछले दिनों एमएलसी सदाभाऊ खेत ने कैंसर की बीमारी के कारण बिगड़े शरद पवार के चेहरे पर टिप्पणी की थी, इसके बाद एनसीपी में काफी प्रतिक्रिया हुई।

झारखंड के चुनाव में निर्णायक साबित हो सकते हैं पोस्टल वेलेट

झारखंड विधानसभा चुनाव में पोस्टल बैलेट महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस बार पोस्टल बैलेट से मतदान करने के लिए आवेदन बढ़ रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कई सीटों पर पोस्टल बैलेट निर्णायक साबित होगा। 2019 के चुनाव में कई सीटों पर हार-जीत का अंतर कम था।

झारखंड विधानसभा चुनाव में इस बार पोस्टल बैलेट गेम चेंजर बन सकता है। 13 और 20 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर जिस तरह से पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोटिंग के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, उसे देखकर एक रिकॉर्ड बनने की संभावना है। राजनीतिक विश्लेषकों की भी उम्मीद जताई जा रही है कि कई विधानसभा सीटों के चुनाव परिणाम में पोस्टल बैलेट से मतदान निणाय्क साबित होगा।

पोस्टल बैलेट मतदान से किस पार्टी या गठबंधन को होगा फायदा

पोस्टल बैलेट मतदान से बीजेपी-एनडीए को फायदा मिलेगा या जेएमएम-कांग्रेस इंडिया गठबंधन को लाभ होगा, इसे लेकर अलग-अलग अनुमान जा रहा है। जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी और भाकपा-माले नेताओं को उम्मीद है कि पोस्टल बैलेट मतदान से सरकारी सेवा में लगे कर्मचारियों की ओर से उनके पक्ष में मतदान किया जाएगा, क्योंकि इंडिया गठबंधन की सरकार में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ दिया गया। इसके अलावा अनुबंध और मानदेय आधारित कर्मचारियों के लिए भी कई तरह की रियायत दी गई। दूसरी तरफ बीजेपी-एनडीए नेताओं का मानना है कि इस सरकार से सरकारी कर्मचारियों में नाराजगी है। इसका फायदा बीजेपी और सहयोगी दलों को मिलेगा।

2019 के चुनाव में 9 सीटों पर हार-जीत का अंतर रहा था कम

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में झारखंड की 9 सीटों पर हार जीत का अंतर काफी कम रहा था। सिमडेगा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को सिर्फ 285 वोटों के अंतर से जीत मिली थी। वहीं बाघमारा में बीजेपी को 824 वोटों से जीत मिली। कोडरमा में बीजेपी को 1797, मांडू में बीजेपी को 2062, देवघर में बीजेपी को 2674, जरमुंडी में कांग्रेस को 3099 , नाला में जेएमएम को और गोड्डा में बीजेपी को 4512 वोटों से जीत मिली थी। इसके अलावा 10 सीटें ऐसी थीं, जहां हार-जीत का फैसला 10 हजार से कम वोटों से हुआ था। इस तरह की सीटों पर इस बार पोस्टल बैलेट की भूमिका निर्णायक होगी।

इस सप्ताह आपके सितारे
13 नवंबर 2024 से 19 नवंबर 2024

किसी को मिलेगी उन्नति, तो किसी का रुका पैसा मिलेगा

मेष - शारिरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। संतान पक्ष का सहयोग भी उत्तम रहेगा। शत्रु खड़े होंगे पर वे कुछ बिगाड़ नहीं पायेंगे। कार्य क्षेत्र में उन्नति संभव है। जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार इस सप्ताह मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों में सावधानी रखें। वाहन सुख अच्छा है।

वृषभ - इस सप्ताह कारोबार में कुछ न्यूनता दिखाई देगी। किसी को उधार देने में नुकसान हो सकता है। वाहन में टूट-फूट संभव है। जीवन साथी का व्यवहार कष्ट दे सकता है। प्रेम संबंध ठीक-ठीक रहेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें अन्यथा कष्ट होगा।

मिथुन - इस सप्ताह जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार उत्तम रहेगा। प्रेम संबंधों में धनात्मकता रहेगी। शत्रु पक्ष पीड़ित नहीं कर सकेगा। कोई बहुप्रतीक्षित कार्य होगा। संतानों का सहयोग उत्तम रहेगा। वाहन सुख न्यून रहेगा। भूमि-भवन संबंधी कार्य में रुकावट आएगी। आवक अच्छी होगी कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी।

4. कर्क - संतान पक्ष इस सप्ताह कष्ट देगा। जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल नहीं। कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम फलदायी है। किसी विवाद का हल निकलेगा। कोई संक्षिप्त यात्रा भी संभव है।

सिंह - इस सप्ताह कारोबार अच्छा चलेगा। आय भी अच्छी होगी किन्तु व्यय भी अधिक होंगे। जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य और व्यवहार मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों में सावधानी रखें। वाहन सुख रहेगा। भूमि संबंधी कोई कार्य होगा। यात्रा होगी।

कन्या - यह सप्ताह आपके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल है, सावधानी रखें। वाहन भी सावधानी से चलावें। जीवन साथी का स्वास्थ्य और सहयोग उत्तम रहेगा। प्रेम संबंध अच्छे रहेंगे। संतान पक्ष पीड़ित करेगा।

तुला - इस सप्ताह संतान संबंधी कोई कार्य होने से काफी संतुष्टि मिलेगी। अनायास रुका हुआ कुछ पैसा भी मिल सकता है। जीवन साथी का स्वास्थ्य कुछ बिगड़ सकता है। प्रेम संबंधों के प्रति सावधानी रखें। स्वयं का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वाहन सुख उत्तम। कारोबार अनुकूल।

वृश्चिक - शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह प्रतिकूल है। किसी कार्य के न होने से कष्ट होगा। वाहन में टूट फूट हो सकती है। परिजनों का व्यवहार मध्यम रहेगा। संतान पक्ष पीड़ित करेगा। बेवजह के विवादों से बचें। जीवन साथी का सहयोग मध्यम रहेगा। कोई उपलब्धि संभव है।

धनु - इस सप्ताह कारोबार में तेजी आएगी। किसी के सहयोग से कोई वांछित कार्य होगा। धनलाभ होगा। संतान पक्ष कष्ट देगा। वाहन सुख उत्तम है। परिजनों का व्यवहार व सहयोग उत्तम रहेगा। शत्रु सिर उठाएंगे किन्तु हावी नहीं हो सकेंगे। कोई शुभ कार्य भी घर में होगा।

मकर - किसी कार्य के न हो पाने से खिन्नता रहेगी किन्तु शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जीवन साथी का व्यवहार सामान्य रहेगा। प्रेम संबंध संतोषजनक रहेंगे। आय अच्छी होगी। बेवजह अधिक व्यय करने से बचें। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। कार्य क्षेत्र में संतोष रहेगा।

कुंभ - इस सप्ताह आपके जीवन साथी का व्यवहार एवं स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। प्रेम संबंध खूब फले फूलेंगे। वाहन अवश्य सावधानी से चलावें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतान पक्ष कुछ कष्ट देगा। मित्रों का सहयोग अच्छा रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

मीन - इस सप्ताह बेवजह के विवादों से बचें। कोर्ट कचहरी में भी गवाही आदि देने से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अमूमन अच्छा रहेगा। किसी व्यक्ति के सहयोग से कोई कार्य अवश्य बनेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। आवक अच्छी होगी। यात्रा के योग बन रहे हैं। शत्रु परास्त होंगे।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ **सूर्य** - कर्क राशि में 17 से सिंह राशि में ■ **चंद्रमा** - वृश्चिक से धुन राशि में ■ **मंगल** - वृषभ राशि में ■ **बुध** - सिंह राशि में ■ **गुरु** - वृषभ राशि में ■ **शुक्र** - सिंह राशि में ■ **शनि** - कुंभ राशि में वक्री ■ **राहु** - मीन राशि में ■ **केतु** - कन्या राशि में

श्रीलंका की एयर लाइन ने रामायण से शुरू किया देश का प्रचार...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

श्रीलंकाई एयरलाइन ने प्रमोशन के लिए एक ऐसा विज्ञापन बनाया है, जिसे देखकर भारतीय यूजर्स का दिल गदगद हो उठा है। कमेंट सेक्शन में यूजर्स श्रीलंका में रामायण से जुड़ी रियल लोकेशन को दिखाने के लिए मेकर्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक्स पर वीडियो को जमकर प्रतिक्रिया मिल रही है।

हिंदू शास्त्रों में 'रामायण' एक पवित्र ग्रंथ है। इस ग्रंथ में भगवान विष्णु के सातवें अवतार श्री राम के बारे में जानने को मिलता है। भगवान राम का जीवन आज भी भारतीयों के लिए एक प्रेरणा है। जहां आज कल के विज्ञापनों में ग्राहक को लुभाने के लिए एड बनाने वाली कंपनियां किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती है। तो वहीं कुछ एड्स आज भी अपनी पॉजिटिविटी से लोगों का दिल जीत लेते हैं।

श्रीलंकाई एयरलाइन का ऐसा ही विज्ञापन इंटरनेट पर जमकर तारीफबटोर रहा है। जिसमें मेकर्स ने एक दादी और पोती के माध्यम से रामायण की कहानी को सुनाते हुए रामायण में श्रीलंका के महत्व के बारे में बताया है। इस विज्ञापन के जरिए न सिर्फ रामायण की कहानी को बताया गया है, बल्कि रावण की लंका से लेकर अशोक वाटिका तक के असली दृश्यों को भी दिखाया गया है। जो यूजर्स को काफी पसंद आ रहा है।

इस 5 मिनट के छोटे से वीडियो में एक दादी को बच्चों की किताब से अपने पोते को हिंदू महाकाव्य की कहानी सुनाते हुए दिखाया गया है। दादी अपने पोते को उस द्वीप के बारे में बताती है, जहां रावण सीता का अपहरण करने के बाद उसे ले गया था। फिर दादी उसे आधुनिक श्रीलंका में रावण के साम्राज्य की कहानी सुनाती है।

इस वीडियो में दादी अपने पोते को श्रीराम की सेना द्वारा बनाए गए रामसेतु के बारे में भी बताती है। जो तमिलनाडु के रामेश्वरम से श्रीलंका के तट को जोड़ता है। इस बात पर सवाल करते हुए पोता दादी से पूछता है कि क्या पुल अब भी वहीं है? जिसका जवाब दादी 'हां' में देती है, वह कहती है कि आप आज भी इस 'रामसेतु' को देख सकते हो।

दादी अपने पोते को श्रीलंका में मौजूद उन दो पर्वतों के एक हिस्से के बारे में भी बताती है। जो हनुमान जी के हाथों से गिर गया था। वह बताती है कि जब हनुमान जी, लक्ष्मण को बचाने के लिए संजीवनी बूटी को हिमालय से ले जा रहे थे। तब वह वहां पर गिरा था।

कई लोगों का आज भी मानना है कि रुमासाला पहाड़ी उन गिरे हुए टुकड़ों में से एक है क्योंकि पहाड़ी पर मौजूद औषधीय जड़ी-बूटियां इसके आसपास कहीं और नहीं पाई जाती हैं। इस 5 मिनट के खूबसूरत एड में रावण की लंका से लेकर सीता अम्मन मंदिर और अशोक वाटिका सीता मंदिर तक को दिखाया गया है। जिसका रखरखाव श्रीलंका के भारतीय तमिलों द्वारा किया जाता है। कमेंट सेक्शन में यूजर्स श्रीलंका टूरिज्म की इस पोस्ट पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक शख्स ने कमेंट करते हुए लिखा- मुझे श्रीलंका में मेरी अगली छुट्टी मनाने का कारण मिल गया। दूसरे ने कहा कि रामायण की भावना को जीवित रखने के लिए श्रीलंका को धन्यवाद। लायन रॉक में कोई अभी भी शक्तिशाली रावण की उपस्थिति को महसूस कर सकता है।

एक अन्य यूजर ने कहा कि मैं श्रीलंका में रामायण पर्यटन परियोजना के रिवाइवल (पुनरुद्धार) को देखकर रोमांचित हूं! ज्यादातर यूजर्स इस रामायण के वीडियो विज्ञापन से काफी प्रसन्न नजर आ रहे है और उसे उसके कैंपेन के लिए बधाई दे रहे हैं।

रामायण ट्रेल के महाकाव्य को फिर से याद करें

एक्स पर इस वीडियो को @flysrilankan ने पोस्ट करते हुए लिखा- रामायण ट्रेल के महाकाव्य को फिर से याद करें। छुट्टियों में श्रीलंका के प्रसिद्ध परिदृश्यों के माध्यम से यात्रा पर निकलें।

केवल भारत में ही नहीं होता है चुनाव में धर्म का इस्तेमाल

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

विश्व के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका में हाल ही में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जोरदार जीत दर्ज की है। सारे एग्जिट पोल में चुनाव को कांटे के मुकाबले के रूप में बताया जा रहा था लेकिन जब मतगणना हुई तो चुनाव एक तरफ निकल गया। ट्रंप की इस जीत में सबसे बड़ा कारण इसाई कार्ड है। केवल भारत में ही चुनाव में धर्म का इस्तेमाल नहीं होता है बल्कि अमेरिका में भी यह चुनाव धर्म पर केंद्रित होकर लड़ा गया है।

अमेरिका में इसाई कार्ड ने दिलाई ट्रंप को जीत

हाल ही में हुए चुनाव में ट्रंप की जीत को दुनिया के इस सबसे शक्तिशाली देश में रूढ़िवादी ईसाई समुदाय के प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप के चुनाव प्रचार के अभियान और इस दौरान ईसाई धर्म गुरुओं की ओर से इस चुनाव को धर्म युद्ध के रूप में प्रसारित करने से यह परिणाम आ सका है। ईसाई मतदाताओं की ओर से दिए गए समर्थन के अंडर करंट पर सवार होकर ही ट्रंप इतनी अच्छी जीत हासिल कर सके है। ट्रंप को कमला हैरिस के मुकाबले में ईसाई समाज के हर पंथ का जोरदार समर्थन मिला है। अपने प्रचार अभियान के दौरान ट्रंप के द्वारा मेरे ब्यूटीफुल क्रिश्चियन से लेकर कई धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया। जब जुलाई के महीने में उन पर हमला किया गया था तो उसके बाद उन्होंने कहा कि गॉड ने मुझे अमेरिका की सेवा के खास मकसद से बचाया है। इस बयान के माध्यम से भी ट्रंप के द्वारा ईसाई समाज के प्रति अपनी सद्भावना का प्रदर्शन किया गया। यही कारण है कि इस चुनाव में ईसाई समाज की ओर से खुलकर ट्रंप का साथ दिया गया। इसके परिणाम स्वरुप ट्रंप ने ऐसी जोरदार जीत दर्ज की है। चुनाव में प्रचार के दौरान ट्रंप के द्वारा ईसाई नेताओं को व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच का आश्वासन दिया गया। जॉर्जिया में पादरी से कहा गया कि हमें इस देश में धर्म को बचाना है। अपनी सभा में ट्रंप ने गॉड ब्लेस यू कई बार कहा। इस चुनाव अभियान के दौरान बाइबल के नेगेटिव चरित्र से कमला हैरिस की तुलना की गई। अमेरिका में हाल ही में हुए इस चुनाव में जिस तरह से धर्म का उपयोग करते हुए जीत को सुनिश्चित करने का कार्य किया गया है उससे यह समझ जा सकता है कि चुनाव में धर्म का इस्तेमाल केवल भारत में ही नहीं होता है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि जब जनवरी में ट्रंप के द्वारा कार्यभार संभाला जाएगा तो फिर रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को वह किस तरह से बंद कर सकेंगे। वैसे ट्रंप के जीतने के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन के द्वारा ट्रंप का समर्थन करने और उनका स्वागत करने से इस बात की संभावना बढ़ गई है कि यह युद्ध समाप्त हो जाएगा।

आईएसबीटी में लगेंगे 3 करोड़ के शेड

40000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में लगने वाले शेड के लिए 20000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में लग गई फ्रेम

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा बनाए जा रहे नए आईएसबीटी में बसों के खड़े करने के लिए शेड बनाने के काम पर 3 करोड रुपए खर्च होंगे। इस बस अड्डे में 40000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में शेड लगाए जाएंगे। इसमें से 20000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में शेड लगाने के लिए फ्रेम लगाने का काम हो गया है।

प्राधिकरण के सीईओ ने किया मौका मुआयना

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार ने बताया की एम आर 10 पर ग्राम कुमेडी में नए इंटर स्टेट बस टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर का यह सबसे बड़ा बस टर्मिनल तेज गति के साथ आकर लेता हुआ नजर आ रहा है। इन दिनों इस बस अड्डे का काम एक दिन में तीन शिफ्ट में किया जा रहा है।

प्राधिकरण के द्वारा जब से इंदौर शहर में चार फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया है उसके बाद से पूरा ध्यान आईएसबीटी के काम को आकार देने में लगा दिया गया है।

अहिरवार के द्वारा आज मौके पर जाकर निरीक्षण कर आईएसबीटी के कामों के लिए काउंटडाउन शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कौन सा काम कब तक होगा, इसके लिए समय सीमा का निर्धारण भी कर दिया है। अहिरवार ने बताया कि इस बस अड्डे में खड़े होने वाली बसों के लिए शेड बनाने का प्रावधान किया गया था। इस आईएसबीटी पर कुल 3 शेड का निर्माण होना है। यह शेड 40000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाए जाएंगे। इन शेड को बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। अभी पहले फ्रेम बनाने का काम किया जा रहा है। इस समय तक 20000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में फ्रेम बनाकर लगा दी गई है। अगले 20 दिन के अंदर फ्रेम लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही फ्रेम पर शेड फीट करने का काम भी शुरू हो जाएगा। इस बस स्टैंड के बन जाने से दूसरे प्रदेशों के लिए संचालित होने वाली सभी बसों का संचालन इस बस स्टैंड से शुरू हो सकेगा। इससे इंदौर शहर की यातायात की व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आ सकेगा। इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन के द्वारा यातायात को व्यवस्थित करने के लिए जितने प्रयास किए जा रहे हैं वह सारे प्रयास इस बस स्टैंड के बनने और चालू होने के बाद ही परिणाम मूलक हो सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान अहिरवार ने बस टर्मिनल पर बसों एवं यात्रियों के लिए पहुंच मार्ग का भ्रमण किया। शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए अधिकारियों एवं निर्माणकर्ता एजेंसियों को आदेशित किया। साथ ही बस टर्मिनल के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक घटकों जैसे सीसीटीवी संचालन, फायर फायटिंग व्यवस्था, अनाउंसमेंट सहित अन्य सभी की भौतिक प्रगति को सूक्ष्मता से जांचा। इस बस टर्मिनल का कार्य 95 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुका है तथा आगामी 1 माह में कार्य को पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

इंदौर में अगले हफ्ते से महंगी हो सकती है प्रॉपर्टी 580 लोकेशन पर बढ़ेंगे दाम

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर शहर में पहली बार एक साल में दूसरी बार प्रॉपर्टी की गाइड लाइन बढ़ाई जा सकती है। नई गाइड लाइन शासन को मंजूरी के लिए भेजी गई है और ऐसा अंदेशा है कि अगले हफ्ते इस नई गाइड लाइन को लागू किया जा सकता है। नई गाइड लाइन लागू होने से इंदौर की 580 लोकेशनों पर संपत्ति खरीदना और महंगा हो जाएगा। नई गाइड लाइन में अलग अलग लोकेशन पर 5 से 261 फीसदी तक बढ़ोत्तरी संभव है।

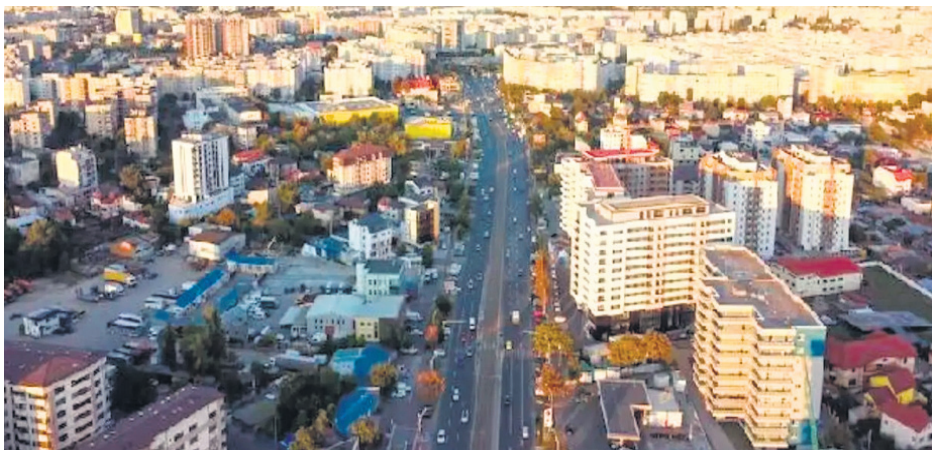

इंदौर जिले की 580 लोकेशन पर प्रॉपर्टी की गाइडलाइन में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव है। यहां 5 से 261 फीसदी तक कीमत बढ़ाने की तैयारी है। 105 नई कॉलोनियों को भी गाइड लाइन में शामिल किया गया है। बीते महीने कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई जिला मूल्यांकन समिति की बैठक हुई में गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया गया था और फिर इसे शासन के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है।

इन जगहों पर बढ़ेंगे दाम

जिन लोकेशन पर गाइडलाइन बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव है उनमें अधिकतर बाहरी क्षेत्र की कॉलोनियां हैं इसके साथ ही बायपास, कनाड़िया रोड, सुपर कॉरिडोर और उज्जैन रोड पर कई कॉलोनियां है। स्कीम नंबर 114, 78, रेडीमेट मार्केट, मुरादपुरा सांवेर, गोल्फग्रीन कनाड़िया, सोनवाय बिचौली हप्सी, समृद्धि पार्क महालक्ष्मी नगर सेक्टर ए व आर इंदौर, सेरेनेटी प्यूमार्थ सांवेर, कनवासा देपालपुर, द मैनिसयों खजराना, स्टेशन रोड राऊ, आईटी सिटी छोटा बांडगंगा, श्री कृष्णकुंज इंदौर, गांव बिराम-महू आदि शामिल हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- दीपक गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।